



विद्या शक्ति समस्तानाम्

आत्मजा

2021-22





SISTER NIVEDITA

प्राचार्या की कलम से



'आत्मजा' का इस वर्ष का अंक कई कारणों से अनोखा है। इधर दिल्ली विश्वविद्यालय अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है तो देश भर में आज़ादी के अमृत महोत्सव की धूम मची है। इस अंक में पहली बार कोरोना महामारी से रूबरू होने वाली छात्राओं - शिक्षिकाओं का रचनात्मक संवेदन समिति हुआ है। देश-दुनिया - समाज एक भयंकर मानवीय त्रासदी से गुज़रा है। स्कूल-कॉलेज बंद होने की वजह से कोरोना महामारी ने युवा-वर्ग के सुनहरे सपनों को खूब झकझोरा है। समय की गति को रोकने की दुःसाहसिक कोशिश हुई है। सुकून का विषय है कि धीरे-धीरे ही सही दुनिया अंधेरे से उजाले की ओर अग्रसर है। 'आत्मजा' साहित्यिक संस्कारों से परिपूर्ण एक ऐसी वार्षिक पत्रिका है जिसमें युवा-छात्राओं के हृदय का स्पंदन भी सुनाई पड़ता है और प्रबुद्ध शिक्षिकाओं के मानवीय सरोकार भी दिखाई पड़ते हैं। मुझे पिछले वर्ष अप्रैल 2021 में कार्यवाहक प्राचार्या के रूप में कार्य करने का अवसर मिला। मैंने कॉलेज के वर्तमान हालात की जटिलता के मद्देनज़र पूर्व प्राचार्या से लेकर शिक्षिकाओं तथा कॉलेज के एम.टी.एस कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी तक लगभग हर शख्स को किसी न किसी कश्मकश से जूझते हुए पाया है। मैं एक सिरे को सुलझाने का उपक्रम करती हूँ तो दूसरे सिरे में विचलन शुरू हो जाता है। कड़ी चुनौती के इस मुश्किल दौर में सभी के प्रति सकारात्मक संवेदनशीलता ही इस कठिन राह की साथी बनी है। हर रात के बाद सुबह का होना लाज़मी है। 'आत्मजा' की साहित्यिक रचनाधर्मिता भी इसकी साक्षी बनी है। मैं 'आत्मजा' की संपादिका डॉ. अंशुल राव और उनकी पूरी टीम को हृदय से बधाई देती हूँ कि उन्होंने ऑनलाइन-ऑफलाइन शिक्षा पद्धति से जूझती युवा पीढ़ी को कुछ सर्जनात्मक पलों की ओर भी प्रेरित किया है। इस वर्ष से नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत जीवन में बहुत सारी योजनाएँ-परम्पराएँ प्रारम्भ होंगी। सभी छात्राओं-शिक्षिकाओं, प्रबंध समिति के सदस्यों सहित पूरे भगिनी निवेदिता परिवार को अनंत शुभकामनाओं के साथ -

प्रो.राज भारद्वाज

EDITORIAL BOARD



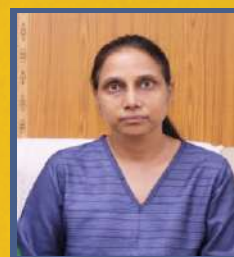
**Ms. Mayuri Dihnigia, Prof. Mamta Singla, Prof. Raj Bhardwaj, Dr. Ansul Rao
Dr. Purnima Dhall, Ms. Shaheen, Ms. Anuradha Yadav, Ms. Reena**

From the Editor

As the coronavirus pandemic impacted the lives of people worldwide, the publication of Aatmaja was also affected. Bhagini Nivedita family also suffered loss and experienced grief. Though our hearts ache in pain, we are determined to move forward and cherish the creative spirits of our dear students. The present issue of Aatmaja includes perspectives of the students and staff on a multitude of topics and celebrates their achievements. This issue also contains a special section on “Azadi ka Amrut Mahotsav” as we celebrate 75 years of Independence. The future of India is intricately connected to the future of her women. Gender equality is still a dream despite the progress the nation has made. After family, the educational institute is the second most important place for the students to learn and experience gender equality. We hope to create a better, safe, and responsible society by imparting the principles of equality to our students; for this purpose, what can be a better way than listening to what our students are saying through their creative imagination or nonfiction prose.

Our college is committed to the holistic growth of the students. Therefore, the ability to voice one's opinion is carefully cultivated among the students. Some students show immense talent in creating their voices, while some begin their journey with hesitation and apprehension. The members of the magazine committee deserve accolades for encouraging students and helping them string words to express their opinions with confidence.

We at Bhagini Nivedita College do not provide only education but also try to mold our young students into the roles of leaders in the future. While the country still tackles gender-based discrimination, we teach our students to hold their heads high and speak their minds. We believe that words have the power to shape the world. The college magazine, Aatmaja, is a platform for the students to share their viewpoints. We hope the present issue of Aatmaja will encourage our students to use the power of words as they face the world after leaving college.



Dr. Ansul Rao

Convenor
Magazine,
Annual Report & Prospectus Committee





आत्मजा

2021-22

Bhagini Nivedita College
(University of Delhi)

Kair, (Near Najafgarh) New Delhi-110043

Phone : 28017485 | Fax : 28018326

E-mail : Bnc.kair@gmail.com

Website : bhagininivedita.du.ac.in

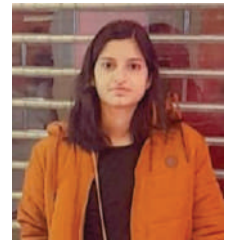
हिन्दी विभाग



सम्पादिका :
प्रौ. ममता सिंगला



छात्र सम्पादिका :
कु. प्रगति भारद्वाज
(213041, Hindi Hons.)



छात्र सम्पादिका :
कु. अश्वनिमा राय
(19702, History Hons.)



अनुक्रमणिका

			पृष्ठ संख्या
1	जल्दी ही हम एक दूजे से मिलेंगे	प्रो. ममता सिंगला	1
2	लघु कथा	रिंकी	2
3	मेरी माँ के संग रहना मुझे	रिंकी	2
4	दहेज	आफरीन अली	3
5	शिक्षा	हिमांशी	4
6	शिक्षक	खुशी शर्मा	4
7	अनमोल मोती	मोनिका	5
8	काव्य कहलाता है	उषा गुलिया	5
9	स्वतंत्रता	शालिनी	6
10	भारत की बेटी	अरुनिमा	7
11	वाह रे आजादी	शालिनी कुमार	7
12	चीख	शिवानी राजावत	8
13	जीवन	अरुनिमा	9
14	आजादी के महत्व की कहानी	प्रंजल करनवाल	10



जल्दी ही हम एक दूजे से मिलेंगे

जल्दी ही हम एक दूजे से मिलेंगे
खुशी भरे पल हम फिर से जियेंगे।

अवसाद के बादल कभी तो छटेंगे
रस्मों रिवाजों के घुंघरू भी जहाँ में बजेंगे।

हर एक मौसम फिर से कहानी कहेगा
डालों पर फिर से झूले पड़ेंगे।

भंवरोँ की गुन्जन फिर से सुनेगी
जुगनु की टिमटिम भी कहीं तो दिखेगी।

मन्दिरों के घन्टे और शंख भी बजेंगे
पूजा अर्चना के फल भी मिलेंगे।

नदियों और तालों में नावें भी चलेंगी
मन में खुशियों की तरंगें उठेंगी।

सागर की लहरों पर हवा फिर बहेगी
उनमें मचलने की तमन्ना भी जगेगी।

खुले आस्माँ में पतंगें तो उड़ेंगी
बाहों में तेरी सुकून की साँसें भी मिलेंगी।

बर्फीली चोटियों पर भी ऊचें चढ़ेंगे
मैदानों में त्योहारों के खेम लगेँगे।

छवि चित्रों से निकल कर गुरुजन मिलेंगे
गलियारों में दोस्तों के ठहाके भी लगेँगे।

सखियों के मन में हिलोरें तो उठेंगी
फिरसे कहानियों पर चर्चाएँ भी चलेंगी।

आशा और विश्वास की पींगे भरेँगे
खुशी भर पल हम फिर से जियेंगे।

जल्दी ही हम एक दूजे से मिलेंगे
खुशी भरे पल हम फिर से जियेंगे।

सूरज की किरणों से बगिया खिलेंगी
बारिश की बूंदों में माटी की सुगंध भी मिलेगी।

मेलों में हँसी की खनक कभी सुनेगी
रंगों और रौनक की झल कभी मिलेगी।

निराशा पर आशा की बौछारें पड़ेंगी
खुशियों की कलियाँ भी फिर से खिलेंगी।

प्रो. ममता सिंगला
हिंदी विभाग

लघु कथा

कथा शीर्षक: - समस्या के दो पहलू

कथा :-

एक प्रोफेसर साहब छुट्टी वाले दिन घर में किसी पुस्तक का अध्ययन कर रहे थे। थोड़ी ही देर में उसका छः साल का पौत्र आया और बार बार कोई न कोई सवाल करने लगा। बच्चों को डांटना प्रोफेसर साहब के स्वभाव में नहीं था। इसलिए एह ऐसा उपाय सोचने लगे ताकि बच्चा किसी अन्य काम में व्यस्त हो जाए और वह बिना व्यवस्था व्यवधान के पुस्तक पढ़ सके। उन्होंने देखा पास में एक पत्रिका पड़ी थी, जिसके एक पेज पर विश्व का मानचित्र बना हुआ था। प्रोफेसर साहब ने कैंची उठाई और मानचित्र को दस-बारह टुकड़ों में काट दिया और पौत्र से कहा - बेटा इन टुकड़ों को सही तरीके से जोड़कर तुम्हें दुनिया का मानचित्र बनाना है। अगर तुमने गलत जोड़ा तो मैं फिर इसे अलग कर दूंगा और तुम्हें फिर से कोशिश करनी होगी। प्रोफेसर साहब समझ रहे थे कि कम से कम दो-तीन घंटे के लिए बच्चा उसमें उलझ जाएगा और उन्हें चैन से पुस्तक पढ़ने देगा। लेकिन अभी मात्र दस मिनट ही बीते थे कि बच्चा मानचित्र जोड़कर ले आया। आश्चर्य की बात यह थी कि उसने मानचित्र बिल्कुल सही जोड़ा था। उन्होंने पौत्र से पूछा - बेटा, तुमने इसे कैसे जोड़ा, पौत्र बोला - आसान है दादा जी, इस पेज के पीछे कार्डून छपा है उसे ही देख-देखकर मैंने जोड़ दिया।

कथा मर्म :- जब भी हम किसी समस्या पर विचार करें, तो सिर्फ उसका एक ही पहलू न देखे। दोनों पहलू सामने होंगे, तभी उसका समाधान निकल सकता है।

रिंकी

Roll No - 211121

मेरी माँ के संग रहना मुझे

दीवारें हैं ऊँची,
गलियाँ हैं तंग,
लंबी डगर है,

पर हिम्मत है संग
बेखौफ आजाद है जीना मुझे/ मेरी माँ के संग रहना मुझे
पाँव में छाले हैं,

मैं हूँ जिंदा पतंग, साँसे हैं बुलंद,
लड़ने चली हूँ आजादी की जंग,

बेखौफ आजाद रहना, मुझे
मेरी माँ के संग रहना मुझे।
रीति की जंजीर खाएगी जंग,

न्याय का मंदिर ना होगा अब भंग,
जमाना चले ना चले मेरे संग,
बोलूँगी हल्ला आवाज है दबंग,

बेखौफ आजाद बहना मुझे,
मेरी माँ के संग रहना मुझे

दहेज

मेरी आंखों के काजल को अनसुन में बहाया गया, मेरी मेहंदी के रंग को बेरंग बनाया गया।
खुशियों के आंगन पर दुख के बादल छाए, जब बाराती व्यापारी बनकर आए।

बोले एक फ्रिज दे दें तो बारात हम लेंगे, बिना चार पहिया लिए आपकी बेटी, हम नहीं ले जाएंगे।
मेरे बूढ़े बाप के कांधे को दहेज के बोझ तले दबया गया, बेटी की खुशी के चलते उनके सर को झुकाया गया।

लाख दुहाईयां दी गईं, उन खुदगरेजों को समझाया गया, सुनी ना किसी की एक, बिना मेरी डोली के ही, मेरी बारात को वापस ले जाया गया।

फिर भी थी एक उम्मीद उस एक शख्स से, थामा था जिसे हांथ, साथ देना का किया था वादा। छोर गया भारी महफिल में अकेला मुझे, करके दहेज लेने का पक्का इरादा।

मगर मैं भी हरी नहीं, मैं कोई अबला - बेचारी नहीं। छूने भर से बिखर जाऊँ, मैं ऐसी नाजुक फूल नहीं। दहेज बना जिसका आधार, ऐसा निकाह मुझे कुबूल नहीं।

सक्षम हूँ मैं, समर्थ हूँ ज्ञान की देवी हूँ, लक्ष्मी हूँ, मैं काली हूँ मैं आज की नारी हूँ।

कलम को बनाया अपना हथियार, मैंने भी किया एक पलटवार
कानून के हाथों मिलीं उन्हें उनके किए की सजा, दहेज के लालज ने चखाया अच्छा मजा।

मेरे बूढ़े बाप ने अपनी खोई इज्जत को वापस पाया। आए थे ले जाने वो दुल्हन, मगर इस दुल्हन ने ऐसी विदाई को ठुकराया।

— आफरीन अली

शिक्षा

अंधकार में प्रकाश की ज्योति जला दे वो है जो नामुमकिन को मुमकिन बना दे वो है शिक्षा

जो हर मुश्किल का हल बता दे, वो है शिक्षा चकाचौंध

और वास्तुविकता में अंतर बता दे वो इंसानियत और पशुता के बीच का अंतर बता दे शिक्षा

जो शान्ति, सुकून और खुशियों का मंत्र बता दे शिक्षा

जो गुणों और अवगुणों में अंतर बता दे शिक्षा

जो कर्तव्यों और अधिकारों का बोध करा दे

जो बुद्धिहीन को बुद्धि दे दे वो है शिक्षा

जो अज्ञानी का ज्ञान से भर दे वो है शिक्षा

जो अशिक्षित को शिक्षित बना देती है वो है शिक्षा

जो जात-पात का बोध कराती है वो है शिक्षा

हिमांशी

19344

बी.ए. (हिन्दी) ऑनर्स (तृतीय वर्ष)

शिक्षक

जीवन में जो राह दिखाए,
सही तरह चलना सिखाए।
मात-पिता से पहले आता,
जीवन में सदा आदर पाता।

सबको मान प्रतिष्ठा जिससे,
सीखी कर्तव्यनिष्ठा जिससे।
कभी रहा न दूर मैं जिससे,
वह मेरा पथदर्शक है जो।
मेरे मन को भाता,
वह मेरा शिक्षक कहलाता।

कभी है शाँत, कभी है घोर,
स्वभाव में सदा गंभीर
मन में दबी रहे ये इच्छा,
काश में उस जैसा बन पाता,
जो मेरा शिक्षक कहलाता।

खुशी शर्मा

214006





अनमोल मोती

स्वार्थी किसी का मित्र नहीं परमार्थी का कोई अमित्र नहीं।

क्षमा करने में ही मानव की महानता है।

क्रोधाग्नि में मनुष्य स्वयं भी जलता है और दूसरों को भी जलाता है।

इतने कोमल और विनम्र मत बनो कि प्रत्येक झूठ और अन्याय के आगे झुक जाओ।

मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर भक्ति है।

बुद्धि से कही बात समझ में आती है किंतु हृदय से कही बात प्रभावित करती है।

ईश्वर ने हमको स्वप्न दिए और हमें चाहिए कि हम उनमें वास्तविकता का रंग भरे।

मोनिका

Roll No-214003

काव्य कहलाता है

शब्दों का संयोजन, भावों का सृजन

जब एक लय में एक ताल में,

अलंकृत हो झंकृत हो जाता है,

वो लेख नहीं काव्य कहलाता है।

रसों, अलंकारों से सुसज्जित,

कुछ नियमों से हो अनुबंधित,

सरगम सी शैली में परिवर्तित हो जाता है,

वो लेखन ही काव्य कहलाता है।

प्रेम, विरह करुणा, वात्सल्य,

जीवन के सारे रस छलकाता है।

शब्दों के छोटे से कलश में

भावनाओं का सागर समाता है

वो लेखन ही काव्य कहलाता है।

कम शब्दों में, कुछ पंक्तियों में

गूढ़ता व सार्थकता दर्शाता है

वो लेखन ही काव्य कहलाता है।

उषा गुलिया

हिन्दी ऑनर्स

तृतीय वर्ष

१९३०५

स्वतंत्रता

७५ वर्ष हुए हैं इस स्वतंत्रता के
इतिहास के कई पहलू भी हैं बदले
राजा महाराजा के राज से
अब आए सरकार पे
अंग्रेजों के कब्जे से हुए हैं हम आजाद
तभी मैं कहती हूँ यह छोटा सा पुरान
आजाद आजाद हिन्द के वासी हैं हम
आजाद राष्ट्र है हमारा, आजाद हैं हमारे विचार
आजाद है हमारी पहचान।
और आजाद है पक्षी, आजाद है प्रकाश
आजाद हैं जानवर और यहाँ आजाद है सरकार
और यहाँ, आजाद हैं शिक्षक जो पढ़ाए आजाद छात्र
आजाद हैं समुद्र और आजाद हैं आकाश
धरती है आजाद, पेड़ पौधे हैं आजाद, आजाद हर इंसान

पर ना जाने क्यों आजाद होकर भी हम नहीं हैं आजाद
हाँ नहीं आजाद वह हर नारी जो करे समाज का उद्धार
नहीं आजाद यह हवा, नहीं आजाद यह धरती
नहीं आजाद यहाँ की सोच और विचार
नहीं आजाद यहाँ के शिक्षक और छात्र
माना हैं आजाद नहीं यहाँ के पक्षी और जानवर
नहीं आजाद यहाँ के समुद्र और आकाश
करना है करे पहले इन्हे आजाद फिर कहें हैं हम आजाद
करना है तो करे अपने विचार और आचरण को आजाद
माना दुसरो से हुए हैं हम आजाद पर ना जाने क्यों बंधी हुए है अपने से
जब हम इनसे होंगे आजाद तब हम होंगे सत्य अर्थ में आजाद
तब हम कहेंगे हम हैं आजाद हिन्द के वासी हम हैं आजाद!

शालिनी कुमार
Roll No-20360
Hindi Hons.



भारत की बेटी

ये भारत की बेटी है,
इसे कम न समझना।
आजादी का सपना, दिलों में जज्बा,
कहां समझता लिंगो की भाषा।
क्या आदमी क्या औरत
सबके सीने में बस भारत माता।
दिया जन्म असम की मिटटी ने
कनकलता बरुआ जैसी वीरबाला को।
जिसे बच्चा समझ आजाद हिंद फौज ने ठुकराया
जिसके हाथों में मेंहदी के बदलें, हो आजादी
की मशाल/कहा अब रुकने वाली वो/
लड़ी बापू संग आजादी सबसे बड़ी जंग।
अंग्रेजों भारत छोड़ो अंग्रेजों भारत छोड़ो
चल गई गोली सीने पर, लेकिन तिरंगे को झुकने न दिया/
५६ इंच का सीना न सही, लेकिन एक अकेली
बीरबाला सौ पर भारी थी वो,
ये भारत की बेटी है,
इसे कम न समझना।

अस्निमा

History Hons. (3rd Year)
Roll : 19702

वाह रे आजादी !

लड़की को मिली है आजादी पर कई बंधनों के साथ।
जन्म लेने की आजादी पर दुसरो की मर्जी के साथ।
मन चाहे कपड़े पहनने की आजादी पर इज्जत के साथ।
अपनी मंजिल चुनने की आजादी पर बजट के साथ।
पढ़ाई करनी की आजादी पर समय के साथ।
शादी करने की आजादी पर सब की मर्जी के साथ॥ १
चलो अब शादी के बाद की आजादी का रूप देखे।
अपने मन से चलने की आजादी पर कुछ शर्तों के साथ।
अपना घर मानने की आजादी पर मरने के बाद।
कहीं जाने की आजादी पर सुरक्षा के साथ।
कपड़े अपने मन से पहनने की आजादी पर साड़ी के साथ।
बच्चे को पैदा करने की आजादी पर घर के उसुलों के साथ।
पति को संभालने की आजादी पर उसकी मर्जी के साथ।
बच्चे को मंजिल दिखाने की आजादी पर समाज की मर्जी के साथ।
उनकी शादी करने की आजादी पर घर की मर्जी के साथ।
मरने की आजादी पर सब की जरूरत के बाद॥ २
ये समाज में हैं कई, आजादी पर किसी न किसी के साथ।
ना जाने कब होगी एक लड़की अकेले अपने साथ॥

शालिनी कुमार
Roll No-20360
Hindi Hons.



चीख

टूट वेदना बिखर गई वो
औरत के ही हाथों मारी गई वो।
बड़ी सी बिंदी लाल सी साड़ी,
ऊँचे स्वर में उसने हुंकारा है।
ध्यान से सुन ले ए लड़की
मोटे दाम खरीदा तुझको, यही तेरा गुजारा है।
यह सुन वो कोने में सिमट गयी,
ठंडी आह भर वो सहम गई।
फिर धीरे धीरे कदमों को भर मैं उसके पास गया,
तु न रोना दीदी यहाँ हर बहन की यही कहानी है।
वहाँ आज भी बहन बेटियाँ रोज खरीदी जाती है,
स्वाभिमान मार अस्तित्व मिटा कर हर रोज कुरेदी जाती है।
अब इस कलयुग को भारत कैसे सहन करे,
घर घर में तो दुःशासन है रोज चीर हरण करे।
नोची चबाई वो खसीटकर उसे लाये थे।
वो मिट्टी से लिपटे तन में स्वाभिमान छिपाये थी,
मैं किबाड़ो से झाँककर देखा था कितना वो चिल्लाई थी।
मैं अबोध बालक सा नहीं था इतना ज्ञान
जो देखा मैंने वो बताता हूँ उस नीले कुर्ते वाली का हाला।
घर दो दानव इंसानी काया जिसके मन में पाप समाया।
खींचे उसने लड़की के केश और पीट-पीटकर उसे
लो ले आये हम एक नया शिकार ऐसा दोनों ने बतलाया
अरे! माटी पड़ गया मन जब सुना कि बेचा जिसको
उसमें भी औरत का साया था।

शिवानी राजावत

Roll No: 216011



जीवन

क्या है ये जीवन
एक ऐसी राणभूमि
जिसके योद्धा भी हम हैं ही , कायर भी हम ही
जीवन
प्रेम की प्रातः या घृणा की रात्रि
क्या है ये जीवन
जीवन
सत्य की चारपाई या झूट की चादर
क्या है ये जीवन
जीवन
खिलते कमल के जैसी या मुरझाये कलियों जैसी
क्या है ये जीवन
जीवन ,
उगते सूर्य के तेज जैसी या चाँद की ठंडक जैसी
क्या है ये जीवन
जीवन
समुद्र जैसा खारा या नदियों जैसे मीठा
क्या है ये जीवन
जीवन
आजाद पंछी जैसा या बंधनो में जकड़े इंसानो जैसा
क्या है ये जीवन
जीवन
एक खुली किताब सी या सस्पेंस नाबेल जैसी
क्या है ये जीवन
जीवन
मिस्टी बोई जैसी या छाछ सी नमकीन
क्या है ये जीवन
जीवन
हर दिन दीवाली सी या भूखी तरसती निगाहो जैसी
क्या है ये जीवन
जीवन
एक मुस्कुराता शोर या बिलखती चीख जैसी
क्या है ये जीवन
जीवन
कोयल सी रसभरी या कौवे सी करकस
क्या है ये जीवन
जीवन
ममता का मंदिर या अनाथालय का द्वार
क्या है ये जीवन

अरुणिमा

History Hons. (3rd Year)
Roll : 19702

आजादी के महत्व की कहानी

आजादी की तारीखें अर्धशताब्दी पूरी कर आगे बढ़ चुकी हैं, आप के दीवानों की कहानियाँ कितनों की जुबानी और कितनों की जिन्दगानी बन चुकी हैं। जैसा कि हम इस वर्ष आजादी के ७५ साल का जश्न मना रहे हैं, लेकिन यह आजादी का महोत्सव मनाने का सौभाग्य हमें ऐसे ही प्राप्त नहीं हुआ। इस आजादी के लिए हमने बहुत बड़ी कीमत चुकाई है। बहुत सी चुनौतियों का सामना करना है, तब जाकर हमें आजादी प्राप्त हुई है।

देश को आजादी तो मिली लेकिन बँटवारे का सामना करना पड़ा। बँटवारे के दौरान जो लोग अपना घर नहीं छोड़ना चाहते थे, फिर भी मजबूरी में अपना घर छोड़ना पड़ा। हमारे पुरखों ने अपनी कुर्बानी से अंग्रेजों से लड़कर आजादी को पाया था। इसमें अनेक परिवारों के अनेक गुमनाम व्यक्तियों ने अपनी जान कुर्बान कर दी।

भारत की आजादी की कहानी भारत के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण स्मरणीय घटनाओं में से एक है। हिंदु, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी धर्म ने साथ मिलकर पूरे भारत को आजादी दिलाई, साथ मिलकर स्वराज्य स्थापित कराया। इस आजादी के संघर्ष में भारत माता के अनेक अमर सपूतों ने अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया।

याद कर जिसे आँखें नम और

सर गर्व से उठ जाता

महान है वो आजादी की संघर्ष गाथा! भारत की आजादी के इतिहास में रोलेट एक्ट, साइमन कमीशन, जलियाँ वाला बाग हत्याकांड जैसी बहुत सी घटनाएँ हुई, जिन्होंने भारत को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हमारे कुछ स्वतंत्रता सेनानियों ने कितनी भी छोटी भूमिका हो वह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि वे उस समय आजादी के लिए लड़े थे। अधिकतर स्वतंत्रता सेनानी देश की स्वतंत्रता (आजादी) के लिए बिना किसी प्रशिक्षण के युद्ध में गए और अपना सर्वोच्च बलिदान भी दिया है।

अतः आजादी, जो आज आजाद देश की तस्वीर है, जिसे शायद शब्दों के माध्यम से दिखाना बहुत ही कम होगा आजादी के ७५ सालों में हमने क्या खोया और क्या पाया है। हर किसी की सोच इस बारे में मिले या ना मिले लेकिन इतना तय है कि आजादी का जश्न मनाने के लिए स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पूरे देश में एक जुनून सा छा जाता है, जिसका उदाहरण आप गली के अर्धनंगे बच्चों से लेकर बुढ़ों तक में देख सकते हैं जिनके हाथों में तिरंगा जरूर दिखाई देता होगा।

आगे बढ़ विजय की राह पर

उन वीरों ने क्या पाया

अगर तु अब भी डर में खोया

प्रंजल करनवाल

INDEPENDENCE DAY 2021



PLACEMENT CELL



HINDI DEPARTMENT

दिल्ली विश्वविद्यालय
University of Delhi

भगिनी निवेदिता कॉलेज
(दिल्ली विश्वविद्यालय)

हिंदी विभाग की तरफ से 23 मार्च को सुबह 3:00 बजे (ऑन-लाइन) आयुधध्वज प्रतिरोधिता आयोजित की जा रही है। सभी प्राध्यापिकाएँ कायम आयोजित हैं। आयुधध्वज (आयुधध्वज प्रतिरोधिता) में शामिल हो कर सभी छात्राओं का हीसलाखर्षण करे। सभी छात्राओं की उपस्थिति: ऑनरेजित है।

संयोजित डॉ. मयमल विभागी प्रभारी डॉ. सुमन सिंह

दिल्ली विश्वविद्यालय
University of Delhi

हिंदी विभाग की तरफ से 23 मार्च को सुबह 3:00 बजे (ऑन-लाइन) आयुधध्वज प्रतिरोधिता आयोजित की जा रही है। सभी प्राध्यापिकाएँ कायम आयोजित हैं। आयुधध्वज (आयुधध्वज प्रतिरोधिता) में शामिल हो कर सभी छात्राओं का हीसलाखर्षण करे। सभी छात्राओं की उपस्थिति: ऑनरेजित है।

द्वारा आयोजित
कवि-सम्मेलन

दिनांक: 23 मार्च को सुबह 3:00 बजे आयुधध्वज प्रतिरोधिता आयोजित है।

सम्मेलन का आयोजन: दिल्ली विश्वविद्यालय

Meeting ID: 859 5535 5215 ID: Password: 123456

आयोजित कवि

दिल्ली विश्वविद्यालय
University of Delhi

हिंदी विभाग की तरफ से 23 मार्च को सुबह 3:00 बजे (ऑन-लाइन) आयुधध्वज प्रतिरोधिता आयोजित की जा रही है। सभी प्राध्यापिकाएँ कायम आयोजित हैं। आयुधध्वज (आयुधध्वज प्रतिरोधिता) में शामिल हो कर सभी छात्राओं का हीसलाखर्षण करे। सभी छात्राओं की उपस्थिति: ऑनरेजित है।

दिल्ली विश्वविद्यालय
University of Delhi

हिंदी विभाग की तरफ से 23 मार्च को सुबह 3:00 बजे (ऑन-लाइन) आयुधध्वज प्रतिरोधिता आयोजित की जा रही है। सभी प्राध्यापिकाएँ कायम आयोजित हैं। आयुधध्वज (आयुधध्वज प्रतिरोधिता) में शामिल हो कर सभी छात्राओं का हीसलाखर्षण करे। सभी छात्राओं की उपस्थिति: ऑनरेजित है।

GIMS **SHRI INSTITUTE OF MANAGEMENT STUDIES** **GNIO**

SHRADDHA NIVEDITA COLLEGE

Community Engagement & Outreach cell in collaboration with

SHRI INSTITUTE OF MANAGEMENT STUDIES (GIMS)
of Panchsagar

WEEKLY CLASSES :
Engagement & Outreach cell in collaboration with
SHRI INSTITUTE OF MANAGEMENT STUDIES (GIMS)
of Panchsagar

Dr. Anjali Singh
Dr. Anjali Singh

Dr. Anjali Singh
Dr. Anjali Singh

SHRADDHA NIVEDITA COLLEGE

Community Engagement & Outreach cell in collaboration with

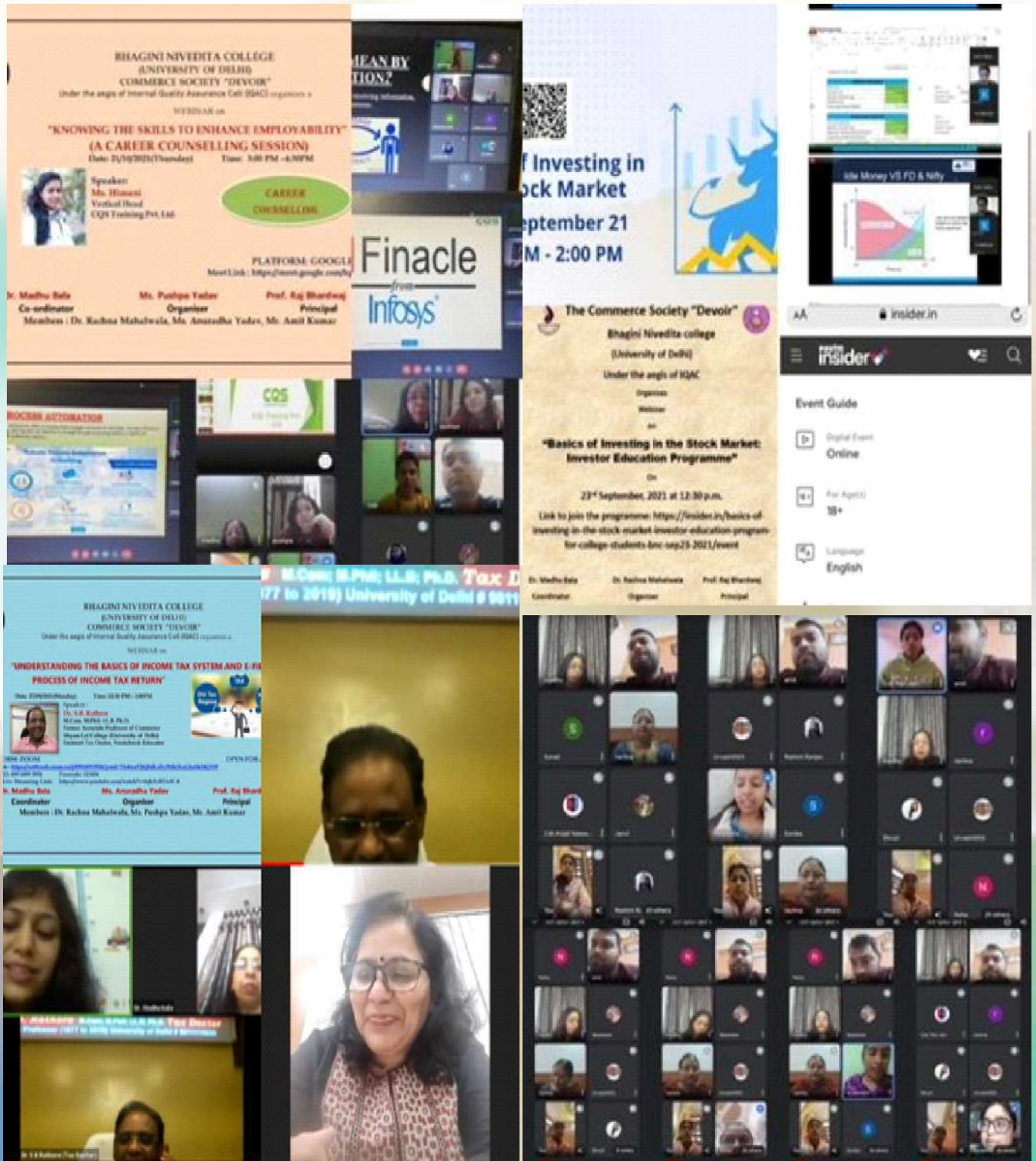
SHRI INSTITUTE OF MANAGEMENT STUDIES (GIMS)
of Panchsagar

WEEKLY CLASSES :
Engagement & Outreach cell in collaboration with
SHRI INSTITUTE OF MANAGEMENT STUDIES (GIMS)
of Panchsagar

Dr. Anjali Singh
Dr. Anjali Singh

Dr. Anjali Singh
Dr. Anjali Singh

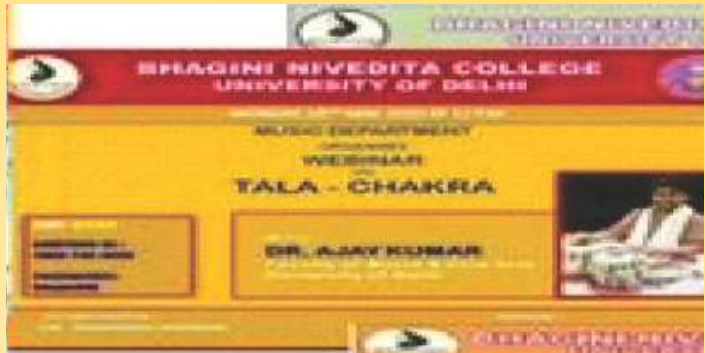
COMMERCE SOCIETY "DEVOIR"



ECO CLUB



MUSIC DEPARTMENT



CHEMICAL SOCIETY



HISTORY DEPARTMENT



SSIR



NSS



HERBAL GARDEN



Cultural Committee



Departments



PROMOTION PHOTOGRAPHS



PROMOTION PHOTOGRAPHS



Music Room



OMSP Lab



Physical Education Department Room



Library



OUR PRIDE

Ms. Nitika (B.A Programme, Roll No.-211236) won **Silver Medal** in Junior National Wrestling Championship **(59kg)** held at Patna, Bihar



Ms. Swati (BA. Program roll. No. 211272) represented Delhi University in **All India Wrestling Championship** held at Bhiwani



PHYSICAL EDUCATION



STUDENT WELFARE



Sports



Self Defence Camp



BNC Family Thanks

For their Services



MR. PREM



MS. PRAKASHI



आजादी का अमृत महोत्सव



1930 – Mahatma Gandhi began the Salt March, a 200-mile march to the sea to protest the British salt tax.



Self Reliant India

Hon. Prime Minister
Shri Narendra Modi

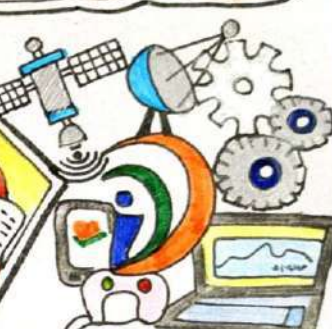
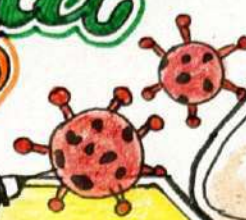


ECONOMY

Quantum jumps,
not incremental
changes.



PM Narendra Modi announced a
Special package of ₹ 20 lakh crore
to fight covid-19 pandemic



SYSTEM
Technology
driven

THAT'S The India Of Our Dreams

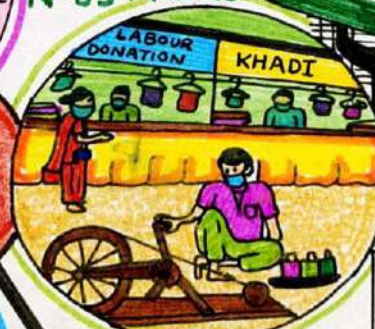
Be Indian Buy Indian

Turning a crisis
into an
opportunity
PPE Kits,
N-95 masks



Global
Supply
chain

DEMAND

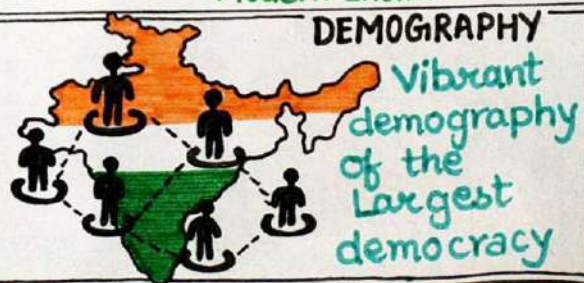


Full utilization
of power of demand
and supply
Vocal for Local



INFRASTRUCTURE - One That Represents
Modern India

DEMOGRAPHY



Vibrant
demography
of the
Largest
democracy

AZADI KA AMRUT MAHOTSAV

Freedom is an invaluable gift of our freedom fighters. The future of a country is bright only when it remains connected moment by moment with the honor of its past experiences and heritage. **Azadi ka Amrut Mahotsav** is an initiative of the Government of India to celebrate and commemorate **75 years** of progressive Independent India. It is an attempt to thank those people and freedom fighters because of which we are breathing in an independent India. It was started on March 12, 2021, with 75 weeks of countdown to our anniversary. It was created by the Ministry of culture, hosted by the Prime Minister of India with a flagged off. It was started by Sabarmati Ashram Ahmedabad. The idea behind taking it 75 weeks before August 15, 2022, and by Independence day 2023 is to instill a sense of pride in the achievements of people after 1947 and the vision of India 2.0, full of the spirit of **Atmanirbhar Bharat**. **Azadi ka Amrut Mahotsav** means elixir of the energy of freedom. March 12 was chosen because Mahatma Gandhi started the Dandi Yatra against the British 91 years ago, on March 12, 1930, to awaken self-reliance and self-respect in the country. In the remembrance of the same, the PM of India, Shri Narendra Modi, has started the symbolic Dandi Yatra to mark the revival of our journey of self-reliance and self-respect with the beginning of Azadi ka **Amrut Mahotsav**. **Department of higher education and School Education** and Literacy has planned various activities under Azadi ka Mahotsav. Programs and activities under Azadi ka Mahotsav will consist of National campaigns like brief reports on the balanced use of fertilizers, national fish farmers' day, food & nutrition for farmers, world bee day, and world milk day. It will also consist of some lecture series and end with some programs and activities. It is time to remember that freedom is not to be taken lightly, the martyrs who sacrificed their lives to achieve it.



USHA RANI
SPA LIBRARY

MAJOR CHALLENGES FACED BY INDIA AFTER INDEPENDENCE

On 15 August 1947, India got freedom from the British rule with Pt. Jawahar Lal Nehru being the first Prime Minister of India.

India became a sovereign democratic republic after its constitution came to effect on 26 January 1950.

With the new beginning, India also faced various challenges whilst developing itself and becoming stronger and stronger as time passed by. Various problems have already been tackled but some big challenges still remain.

Here, I am going to list some of the major challenges faced by India after Independence. Along with Independence, there came the problem of partition. There was a large scale violence everywhere along with deaths of many refugees.

The Kashmir issue also started after this another huge problem after independence was the poverty in the country which had become a national issue. A huge part of the population was living below the poverty line.

These were also an incredibly low percentage of literacy the health of the people was also not very good due to poor living conditions.

Unemployment also remained a pressing issue after this, due to bad relations with Pakistan and China, India had to fight successive wars which also hindered the growth of economy. The growth of economy of India was very slow one of the reasons would also be the increasing corruption in the government.

Some of the new problems that arise with time were regional violence, and instability which happened in the country after the National Emergency of 1975. It also led to a decline in economy and inflation.

Along with time, India defeated a number of challenges and came forward as one of the fastest growing economies in the world.

As time passed, India faced another challenge which was terrorism. Various terrorist attacks happened in different parts of India leading to loss of property and lives of people.

This led to a widespread fear in the people of India. Indo-Pakistan and Indo-China relations worsened with time leading to tensions in the respective borders all your round.

Unemployment also remained a pressing issue. In 2020, the Global Corona Virus pandemic situated India leading to a great decline in the economy. Lot of lives were lost and there was grief everywhere. However with time, India again tough with this challenge and developed 2 vaccines.

There was still an unsatisfactory level of healthcare system. People were forced to stay in their homes which also affected the mental health of many. These were some of the major challenges faced by India after Independence.

RHYTHM

B.Sc.Physical Science

Freedom from fear is the freedom

I claim for you my motherland!

**Freedom from the burden of the ages, bending your head,
breaking your back, blinding your eyes to the beckoning
call of the future;**

-Rabindranath Tagore

NATIONAL ANTHEM

National Anthem
It's incredible
how just a few
words have the
power to unite the
whole Nation!

This Independence
Day, the most
beautiful words ever
written, woven
together as our
National Anthem
will unite us like
never before.

-Jyoti Shee



आजादी का अमृत महोत्सव

जिसने शून्य का ज्ञात कराया,
एक अजूबा था बनवाया,
कश्मीर था जिसने पाया
भारतवासी ही कहलाया।

जिसने मंगल पे ध्वज लहराया,
प्रकृति का हर्ष बढ़ाया
22 भाषाओं को अपनाया,
वहीं तो भारत है कहलाया

जिसे कहते सोने की चिड़िया है,
मैं उस भारत की बेटी हूँ।
हाँ अभिमान से भारतवासी हूँ।
मैं राष्ट्र हित में रहती हूँ, भारत की बेटी हूँ

तीन रंग जो ध्वज दर्शाता,
कण कण में समर्पण करती हूँ।
भाव्यवान मेरी अभिलाषा,
आजादी में जी रही हूँ,

आजादी का अमृत महोत्सव
अब उल्लास से हमें मानना है।
भारतवासी का कर्तव्य,
हमें बहुत खूब निभाना है।

मैं भारतवासी हूँ मुझको,
भारत आगे साधना है।
आजादी का अमृत महोत्सव
उल्लास से हमें मानना है।

PARI JAIN
ROLL NO. 212073
B.COM. PROGRAM

DR. B.R. AMBEDKAR

Dr. B.R. Ambedkar once said, "Life should be great rather than long." And he lived by that. He lived a life filled with greatness. he was born on 14 April 1891 at Mahu in Madhya Pradesh of India. Bhimrao Ramji Ambedkar, otherwise called Baba Saheb by his admirers, was an Indian nationalist, politician, lawyer, economist, activist, editor, writer, orator, scholar, and the chief architect of the Indian constitution. He started experiencing bangs of untouchability right from his birth. Even in school, he wasn't treated the way other kids were. But in middle school, he met a teacher who left a permanent mark on his life. Bhimrao's teacher changed his surname Ambadawekar to Ambedkar, his teacher's family name. Bhimrao gracefully accepted his teacher's surname and lived his entire life as Dr. Ambedkar. He was an outstanding student who went on to have one bachelor's degree, two master's degrees, four doctoral degrees, and bar-at-law. Dr. Bhimrao Ambedkar had earned 32 Degrees and was proficient in 9 languages. He wrote an autobiographical story in 1935-36 after returning from America and Europe, *Waiting for a Visa*. This book draws from his experiences of untouchability, beginning from his childhood. Columbia University prescribes this book as a textbook. He used his extensive knowledge of the law, political science, and economics to bring crucial social and political change to our nation. His education also empowered him to stand against the deep-rooted caste system in our country. Baba Bhimrao Ambedkar had resigned from the cabinet as the first Cabinet Law Minister in 1951 after his Hindu Code Bill draft was stopped in Parliament. The draft spoke of gender equality in the laws relating to marriage, succession, and the economy. He started revolutions that brought milestone changes in our society. He wrote numerous articles and papers describing people their rights in different languages. Baba Ambedkar played a crucial role in the establishment of the Reserve Bank of India in 1935 that he presented to the Hilton Young Commission. He also played a crucial part in our independence. He campaigned and negotiated for India's independence and helped establish India as we know it. In August 1947, he was appointed as the chairman of the constitution drafting committee, given the role of writing India's new constitution. He and six other committee members took 188 days to prepare the constitution. On 25 November 1949, the constitution was adopted, which was then officially implemented on 26 January 1950. We celebrate Republic Day every year to mark this day.

-MALIKA ANAND



BHAGINI NIVEDITA COLLEGE
(UNIVERSITY OF DELHI)



AZADI KA AMRUT MAHOTSAV



LAST DATE FOR SUBMISSION:- 6th AUGUST 2021
TIME :- 5PM

Audio recording (In 5
lines/100 words) in
different Indian
languages on
inspirational warriors,
lesser known events,
places or persons in the
Independence of India.

**1st, 2nd
and 3rd
prize.**

Send your audio via

Email:- amrutmahotsav@bn.du.ac.in

DR. RAJ BHARDWAJ
(ACTING PRINCIPAL)

DR. HEMVATI SHARMA
(NODAL OFFICER)



भगिनी निवेदिता कॉलेज



(दिल्ली विश्वविद्यालय)

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ऑनलाइन- निबंध-लेखन-प्रतियोगिता

विषय :- स्वाधीनता संग्राम से जुड़े अल्पज्ञात/अज्ञात
स्वतंत्रता सेनानी/स्थल/घटनाएँ/जन आंदोलन।
दिनांक **8 अगस्त 2021**, शाम **5 बजे** तक सभी
प्रतिभागी निम्नलिखित ईमेल आईडी पर निबंध
भेज दें।

ईमेल आईडी :- amrutmahotsav@bn.du.ac.in

- नोट :- 1. प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने
वाले विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।
2. प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों
को 'प्रमाण पत्र' दिया जाएगा।
3. सभी प्रतिभागी हिंदी अथवा अंग्रेजी में निबंध
लिख सकते हैं।

डॉ राज भारद्वाज
प्राचार्या

डॉ हेमवती शर्मा
नोडल ऑफिसर



भगिनी निवेदिता कॉलेज

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

विद्यया विमुक्तये

द्वारा समान अवसर सैल

एकदिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार (आज़ादी का अमृत महोत्सव, स्वाधीनता के 75 साल बाद गणतंत्र का सामाजिक व कानूनी महत्व) विषय पर ऑनलाइन 18/01/2022 को 2:00 अपराह्न में आयोजित किया जा रहा है।

वक्ताः

1. डॉ. संजीव सपकाले (पंडित जवाहरलाल नेहरू, महाविद्यालय नेपानगर, देवी अहिंसा विश्वविद्यालय इंदौर मध्य प्रदेश)-- भारतीय गणतंत्र पर जातीय संघर्ष का प्रभाव।
2. अधिवक्ता राजकुमार मित्तल (दिल्ली उच्च न्यायालय)-- महिलाओं की कानून तक पहुँच और उनका सामाजिक अस्तित्व।
3. समाजसेवक (पद्मश्री) श्री जवाहरलाल कौल (महासचिव, अखिल भारतीय नेत्रहीन परिसंघ)-- योजनाओं में विकलांगों के लिये प्रावधान और व्यवस्था तक उनकी पहुँच।

संयोजिका

डॉ. रीता नामदेव



BHAGINI NIVEDITA COLLEGE
(UNIVERSITY OF DELHI)



आज़ादी का अमृत महोत्सव

एक भारत श्रेष्ठ भारत

organizes

ONLINE SINGING COMPETITION



Topic:

देश भक्ति गीत / PATRIOTIC SONG

Date :- 25 January 2022

Time:- 11:00 a.m

Venue:- Google meet

<https://meet.google.com/hfo-inzj-vee>

Duration of Singing:- 3-4 minutes.

**1st Prize: 700/- 2nd Prize: 500/- 3rd Prize: 300/-
Consolation Prize: 200/-**

Certificates will be provided to all the participants.

Prof. Raj Bhardwaj
(Officiating Principal)

Dr. Hemvati Sharma
(Nodal Officer)



भगिनी निवेदिता महाविद्यालय
(दिल्ली विश्वविद्यालय)

शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग
एवं
आज़ादी का अमृत महोत्सव समिति
द्वारा आयोजित



आयुष्य मंत्रालय
Ministry of Ayush

आज़ादी का अमृत महोत्सव

स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में राष्ट्र वंदना

75 करोड़ सूर्यनमस्कार



दिनांक: 11 जनवरी 2022, मंगलवार | समय: प्रातः 9:30 बजे से

विभाग प्रभारी
डॉ. ममता शर्मा

नोडल अधिकारी- आज़ादी का अमृत महोत्सव
डॉ. हेमवती शर्मा

प्राचार्य
प्रोफेसर राज भारद्वाज



English Section

Editor:
Dr. Ansul Rao

Student Editors:



MEERA SINGH
(21747, HISTORY HONS.)



KHUSHI
(19639, HOME SCIENCE HONS.)

CONTENTS

		Page No
1. An Unavoidable Turning Point	Garima	1
2. Mental Health Crisis	Neha Sharma	3
3 Indian Education System Needs Overhauling	Sampada	4
4 Hidden Pen	Neha Kumar	7
5 Comparative Fundamental Analysis of Companies for Investing in Stock Market	Anindita Garg	8
6 Perfect Night	Pratima Pathak	12
7 Mother	Ritika Patel	12
8 Delivery	Neha Sharma	13
9 Who I am?	Sherya Ghosh	16
10 Midnight	Rishu Shandilya	17
11 Knowledge and Skills	Divya Dipali	18
12 Crossroads of Dreams	Afreen Fatima	20
13 Shades Of Dreams	Afreen Fatima	20
14 Prospect in Twilight	Afreen Fatima	21
15 Undivulged Twinge	Afreen Fatima	22
16 Cool Maths !	Khushi Gautam	23
17 The Teenagers !!	Khushi Gautam	24
18 A Girl's Smile!	Khushi Gautam	25
19 I am a Tigress	Garima	26
20 Promise	Ann Mary P. Manuel	28
21 Prayer	Garima	29
22 To all Mothers	Spandeeta Chakraborty	30
23 Go grab your Freedom Girls	Zikra Aram	31

An Unavoidable Turning Point

Meet Parvati Sehgal, A 23-year-old ambitious girl with solid determination and excellent skills. Her hometown, Delhi - The Capital of India, had always given her wings. Gem of her parents and friends, Parvati was a cheerful girl with a beautiful smile. She had received her education in Delhi and had been a bright student throughout her career. Be it sports, extra-curricular activities, or academics. She had actively participated with spirit and learned new things. She belonged to a well-to-do family and was the only child of her parents. This was also why she had been bestowed with so much love and support. She always dreamt big. In a nutshell, she was a 21st century lioness. She had completed her B.Tech. in computer science from prestigious IIT, Delhi. And now, she was ready to prepare for civil services as she aspired to be a civil servant, an IAS. But it seemed that fortunes were not in her favor. Before she could start her preparation, her father departed for the heavenly abode due to cardiac arrest. And her flight to her dream job met a tragic crash. She couldn't believe what happened, and she fell prey to deadly depression for about four months. However, she didn't have to face financial crises as her father had left behind accumulated wealth. But gradually, her mother's health was deteriorating. And to make matters worse, her mother was diagnosed with blood cancer. Unfortunately, she didn't have much time left in her life. Her mother feared what after her death would happen to her daughter Parvati. Like every mother's concern, she wanted to secure her daughter's life. So she tried to leave her in safe hands in this world. And ultimately, Parvati was to be married. Although Parvati didn't want to get married, she couldn't resist her mother's will. Everything happened in such haste. She was still in confusion as to why worse was occurring to her. She was married to a royal Rajasthani family. She thought she could share her heart with her partner; she was disappointed. Her in-laws were profoundly conservative, and she feared to share her views with anyone. So she buried her dreams and her ambitions. While she was coping with all this pain, news of her mother's demise left her shattered. This was so heartbreaking to her. There was no one to embrace her, love her, and understand her. She felt alone, and her loneliness started to engulf her. Her happiness evaporated into an unknown world. She couldn't eat well or sleep well. Her heart was day by day lagging with pain. She felt a burden on her heart. Her emotional state was in turmoil. She wanted to blast out her emotions, but where? Finally, she found a way and started writing a diary.



She writes as:-

"Dear Diary,

First of all, welcome to my family. You are my Pensieve like that of the Harry Potter. I shall come to you each day and pour my views and memories into you. I know you will keep my secrets intact and safe. You see, I was born as a princess. My daddy (I miss you much) was the happiest person on earth when he got the news of my birth. He was my hero, my backbone, my strength, my everything. My mother, too, was my pillar. I could never imagine that I would lose both of my supporting shoulders one day. I thought I would wake up and see my Mumma Papa in front of my eyes each day. But that's just a delusion. With both my parents dead, my aims and ambitions too died. I am here, like a zombie, just body and no life. I do not see any point in living. I know what I am and what heights I can achieve. I want to grow and become independent. But with whom do I share all this? This marriage has been a turning point in my life. And not only for me, I feel for every woman out there; marriage is an unavoidable turning point in our lives. It may be a beautiful encounter for some and some an Abyss. In my case, it's an Abyss. I didn't want a marriage like this. But I had no choice. Marriage is the turning point that turned my world upside down. I don't know how I will do this, but I need a new turning point; I need to change my gear in life. I need to turn on my life's happy mode. And I shall do this. Right now, I cannot think of a way, but soon I will.

Okay, diary, it was nice talking to you. I spilled my emotions onto you, and I feel the burden vanishing away from my heart. Now I would carve my feelings on your white face daily and deepen this friendship of ours. But, unfortunately, it's too late now. It's bedtime.

Good night.

-

Yours Parvati
An IAS to be

-GARIMA
ROLL NUMBER- 191193

Mental Health Crisis

While talking about health what we over look most is mental health. People in any society are focused on physical health. They prefer expert advice in any kind of physical unwellness but when it comes to the most important part of human body, we take it very lightly. As brain is the Central functioning unit of human body. We should take good care of it's health as well. Dozen of mental illnesses have been identified and defined. They include depression, generalized anxiety disorder, bipolar disorder, obsessive-compulsive disorder, post-traumatic stress disorder and many more. But for getting any kind of help one has to except that he or she can also be mentally ill. Mental illness is an equal opportunity issues. It affects young and old, male and female, and individuals of every race, ethnic background, education level, and income level. Everyone feels worried or anxious or down from time to time. But relatively few people develop a mental illness.

Here comes a question what is the difference between being worried or anxious and being mentally ill. A mental illness is a mental health condition that gets in the way of thinking, relating to others, and day-to-day function. Signs and symptoms of mental illness depends in part of the illness. Common symptoms include feeling down for a while, extreme mood swings, sleeping problem, withdrawal from friends, family and activities one likes. In some people symptoms of a mental illness first appear as physical problems such as stomach aches, back pain or insomnia. One should focus on their mental health properly. Any kind of problem can be solved one only needs to talk about it. Any kind of illness can be treated with a proper treatment. Anything that's human is mentionable, And anything that is mentionable can be more manageable. When we can talk about our feelings, they become less overwhelming, less upsetting, and less scary."

NEHA SHARMA
B.A. PROGRAMME
19119

INDIAN EDUCATION SYSTEM NEEDS OVERHAULING

Education is not always about becoming wealthy and powerful. It should be about humanism. It is responsible for utilizing children's raw potential and transforming them into rational, diligent, and aware citizens who can make positive contribution to society. Without education, human beings couldn't have created the kind of world that we're in today, boasting of numerous inventions and huge progress in almost every field of life. Unfortunately, the education system of our country is the legacy of British rule. Probably we have not yet freed ourselves from that left over completely. Universities mass produce thousands of graduates and postgraduates every year. But most of these youth find themselves unemployed or unsuitable for many jobs. The reason is apparent: Lack of vocational training in schools and colleges. Unfortunately, millions of children face barriers and obstacles in accessing quality education. These barriers, unfortunately, lead to the standard of instruction given by schools.

With obsolete pedagogy, an examination-centric approach, problematic curriculum, emphasis on rote learning, lack of gifted educators, less importance to extracurricular activities, and numerous other issues distressed schools in India, thus leading to the failure to provide an adequate education. Not enough attention to creativity and innovation. The ancient Gurukul system encouraged creativity, experimentation, learning by doing, and innovation. Unfortunately, the Indian education system cannot make students creative or innovative enough to learn these essential skills. Nowadays, more than 37% of people live below the poverty level in India. Therefore, they cannot afford education, even decent primary education. Another reason for dismal quality of education is the poor quality of educators in government schools. The story of an education that government schools are not as expected and do not possess an honest image among people

According to research, India ranks 92 in education among 145 countries. The Indian education system was very effective till 30 years back when so much everyone concerned did not equate education to gaining a degree. Students placed value on the skills earned vis education. It made them more knowledgeable, hard-working, passionate, and capable of taking up greater

loads at the workplace than others while being familiar, committed, and efficient. However, in an era of technological advancements, information chaos, skills over knowledge, effectiveness over efficiency, teamwork over individual excellence, employability over bookish knowledge, people's skills over doing work in isolation, abilities to mix and work in cross-cultural workplaces over working within in own community, thinking and acting global over being prisoners of own mind-sets, inabilities to catch up with global communities with greater social, etc. are some of the greyest areas which Indian education system had failed to address in past three decades. The last three decades had also witnessed the entry of lakes of foreign professionals entering India to work on 4-10 times more excellent salaries and facilities as they are found to be better skilled and effective.

India's Human Development Index remained extremely low when thousands of new universities, including dozens of IITs and IIMs, were set up. The Indian government had spent billions on skill developments, with thousands of organizations, including India's most prominent business houses taking out thousands of crores in skill development when no skills were developed and no innovations occurred. We continue to pursue the education system where the science stream dominates the stream grading. Students are compelled to become a machine that only goes for high-profile subjects, and subjects like languages, communications, and arts are looked down and are not considered high-profile.

The Indian education system places more emphasis on acquiring information than on creativity. This system improves the student's memory but does not encourage creativity in doing independent research. With the vast information readily available from various sources, the system tests knowledge based on memory. As a result, many students who complete college do not have the skills to get employment in reputed organizations & need to be trained again to get jobs. Moreover, most top Indian Institutions do not have a high ranking in the international list of excellent institutes because they do not have adequate publications in research journals, highlighting their lack of contribution to sound quality research.

The schools should place emphasis on conceptual learning rather than rote learning. The instructor should have thought-provoking knowledge about the topic and must approve of the passion among students. They should give equal respect to all the subjects. Instead, students should be pushed to pursue the matter that they like instead of creating a differentiation between subjects. Some students learn at a fast pace, whereas some others are slow learners. Teachers must possess a keen eye for observing each of their students. While it is not possible for a single teacher to be able to pay attention to every student, schools should start looking at the use of technologies like artificial intelligence and chat bots, which can become a helping hand to the teachers and students. Finally, the learning should be enjoyable and skilful to make the students use their full potential.

The classroom should be a warm and dignified place. Also, there needs to be greater involvement of students which should result in more responsibility. Students should be allowed to think freely about the topic and come up with new ideas. Students should also be taught in-depth about the morals of life and could be introduced to humanistic values. They should be taught that life is beyond money, and success is not measured by money. For the sake of the country's development, we must ensure good quality higher education that pays adequate attention to practical knowledge and equips individuals with skills that will enable them to perform well in the workplace by enhancing their employability. However, the Indian education system fails on that front since the higher education here is extremely degree-oriented.

It also neglects specific topics like sex education and mental health awareness, indispensable to contemporary times. The creative and perfect curriculum will help the students be innovative and learn new things. The development in emotional and social skills can be attained if the students are good communicators. The important thing is to acquire education and apply it to their lives. They should be able to express their ideas without any fear and should be made to work in groups and participate in the classroom from earlier classes themselves. They need to participate in classroom discussions, debates, learning sessions, and field trips. They can build up a better confidence level when they are allowed to show their genuine emotions creatively. Students need to work

in a stress-free environment. There needs to be a flexible system to create a good classroom environment. The brainstorming sessions can stimulate problem-solving. They need to be encouraged to think out of the box and more imaginatively and innovatively. Art forms like drawing, music, poetry, etc., should not be taken or treated as underrated; they should be prioritized and treated in the same way as theoretical science subjects. It is the need of the hour that the students should be able to manage the requirements of the latest workplace. This will increase the retention rate of the education imparted and improve their skilful talents.

Unless there is a transformation from existing criteria of gaining more information to acquiring relevant information and learning to be more creative by concentrating on the skills and aptitude of students, education will not help improve the standards of students in India. If we start implementing these measures, we might make a difference to our current education system, and we can attain the level of the best education system in the world. Change is inevitable, and we need to change according to time.

-Sampada

Hidden Pen

Hidden pen writes out loud,
Like rays of light throughout the clouds.
Like the singing of knight angels,
Like the feeling of heart in one mingle.
Pens write in complete patience,
And express everything with full passion.
Have you ever gone through a poet's heart?
She will take you to another world,
And will bring you to your real world.
The feeling of love in my heart,
Like stars are not far apart.

NEHA KUMARI
B.COM 1ST YEAR

Comparative Fundamental Analysis Of Companies For Investing In Stock Market

The main aim of this article is to depict the comparability of two public listed companies in India, Gas Authority Of India, Hindustan Petroleum Corporation Limited, to decide which company is better to make an investment.

Public listed companies are incorporated entities that sell ownership shares in capital markets. Although an executive team controls a public company's business activities, the company can sell shares of stock to thousands or millions of investors in the open market. A public- company, also called a public traded company, is a corporation whose shareholders have a claim to be part of the company's assets and profits. Through the free trade of shares of stocks-exchanges or over-the-control (O.T.C.) markets, ownership of a public company is distributed among the general price shareholders. To explain this further, I have taken two public listed companies of Oil and Natural Gas sector: -

G.A.I.L. (GAS AUTHORITY OF INDIA)

H.P.C.L. (HINDUSTAN PETROLEUM CORPORATION LIMITED)

I have taken two companies in the oil sector and studied their financial statements for the past two years. The comparison is on the basis of financial ratios as mentioned below:-

-
- **Profitability**
- **Solvency**
- **Growth**
- **Liquidity**
- **Efficiency**

1. PROFITABILITY RATIO

These ratios are a class of financial metrics that are used to assess a business's ability to generate earnings relative to its revenue, [operating costs, balance sheet assets, or shareholders' equity over a time period, using data from a specific point in time.](#)

For most profitability ratios, having a higher value relative to a competitor's ratio or relative to the same ratio from a previous period indicates that the company is doing well. Profitability ratios are most valuable when compared to similar companies, the company's history, or average ratios for the company's industry.

From the table attached below, we can compare both the companies, and the result is,

The more significant result of all the five ratios under profitability ratios is that the company to best invest in is H.P.C.L., as the total or percentage values are higher in H.P.C.L.

1 Gross profit margin:- The values were already mentioned in the income statement, so, by looking at the values, Gail seems to be better, but when going through the values of Hindustan Petroleum, it has a higher gross margin.

2 Operating Profit Margin:- By looking at the values, H.P.C.L. is better to invest in as the values are much higher than Gail's.

3 Return on equity:- In all the three years of G.A.I.L. company, the value decreased by a small value, whereas in H.P.C.L. company, the value decreased in 2019-20, then has taken a significant increase in 2020-21.

4 Return on assets:- The difference between the two companies is not much, but from the total value given, we can easily see the result that, again, H.P.C.L. is better to invest.

5 Return on capital employed:- The difference between Gail and H.P.C.L. is clear, and H.P.C.L. is better than the G.A.I.L.

2.SOLVENCY RATIO

A solvency ratio is a crucial metric used to measure an enterprise's ability to meet its long-term debt obligations, and prospective business lenders use it often. A solvency ratio indicates whether a company's cash flow is adequate to meet its [long-term liabilities and measures its financial health](#).

1 Debt to equity ratio:- H.P.C.L. is the better company to invest in because the difference between the two is very much. In all three years, the difference is high.

2 Debt to assets ratio:- H.P.C.L. is better to invest in because it has better ratios.

3 Equity ratio:- Here, Gail has performed better than H.P.C.L., but from the point of investing, H.P.C.L. is still the better company.

3.GROWTH RATIO

Growth ratios indicate how fast a company or its business is growing. These ratios measure the rate at which the company is growing. Net Sales Growth (%): Net sales are the total sales of an organization minus the return inwards, discounts, etc.

1 Net sales growth:- Both the companies have negative signs in the total values, so it is quite difficult to depict the result, but Gail has a little better deals.

2 EBITDA growth:- H.P.C.L. has only one negative sign value, so the favor lands in the area of H.P.C.L.

3 Net profit growth:- There are also two negative signed values, but the value in 2020-21 of H.P.C.L. company is higher than G.A.I.L.

4 EPS Growth:- There is only one negative signed value in H.P.C.L. and two in G.A.I.L., and also in the year 2020-21, the value is again higher than G.A.I.L.

4. .LIQUIDITY RATIO

Liquidity ratios are an essential class of financial metrics used to determine a debtor's ability to pay off current debt obligations without raising external capital. Liquidity ratios measure a company's ability to pay debt obligations and its margin of safety by using the calculation of metrics, including the [current ratio, quick ratio, and operating cash flow ratio](#).

- 1.Current ratio:-** In this ratio, Gail has performed better than H.P.C.L., as it has higher values than H.P.C.L.
- 2.Quick ratio:-** The difference between the two companies is not much, but G.A.I.L. has better values than H.P.C.L.
- 3.Cash ratio:-** In the above two ratios, G.A.I.L. has performed better than H.P.C.L., and the same goes for the cash ratio. The difference is not much, but the better values are of G.A.I.L.

5.EFFICIENCY RATIO

Efficiency ratios, or activity ratios, are used by analysts to measure the performance of a company's short-term or current performance. All these ratios use numbers in a company's existing assets or current liabilities, quantifying the business's operations. An efficiency ratio measures a company's ability to use its assets to generate income.

- 1 Inventory turnover ratio:-** In the year 2018-19, the value for both the companies is the same. In the year 2018-19, the difference is significantly less, but in 2020-21, G.A.I.L. has a better value than H.P.C.L.
- 2 Trade receivable turnover ratio:-** In this ratio, H.P.C.L. has performed much better than G.A.I.L. The values are higher than the latter.
- 3 Trade payables turnover ratio:-** The difference between the two companies is not much, there is a slight difference between the values.
- 4 Asset turnover ratio:-** H.P.C.L. has better performance in generating income and assets than G.A.I.L. The values are higher and good to invest in

Conclusion

On the basis of a comparison of the two companies, I reach the conclusion that HINDUSTAN PETROLEUM CORPORATION LIMITED is a better option to invest my savings as its performance is better than GAS AUTHORITY OF INDIA in terms of profitability, solvency, and efficiency except for liquidity which is more in G.A.I.L.

ANINDITA GARG

B.COM, II YEAR
ROLL NUMBER; 202334

PERFECT NIGHT

That's the place, I remember
 Falling dim moonlight, snowwhite
 I was walking on milky stage, under silver spotlight
 Wanted to go for snow glide,
 Step on my right foot alright,
 But snow behaved rude that night
 I slipped, got sprain, oh! Soo much of pain,
 Guess what, I laughed like an insane.
 Today I'm in crown, on my throne , means
 Now I became a grown up queen,
 But still a stupid smile hijack my lips,
 Took over the feelings, set free to tears and let it drips
 Missing her, whole heart belongs to that girl and memories, which I recall
 I realize , it was the perfect night where I felt myself whole.

-PRATIMA PATHAK
 202072

MOTHER

She saw the days you can't even imagine,
 She saw her mother crying
 She cried with her without knowing the reason
 She saw her mother bearing everything
 She wanted to make her sacrifice worthy
 She looked into her mother's eyes
 She saw her eyes are filled with unconditional love
 She took her mother's hand in her hand
 She promised to take her out of this hell.

RITIKA PATEL





DELIVERY

It was the year 1943. A young medical doctor was posted in a small dispensary in a small village located on the border of two states. It was a lesser known and thinly populated village surrounded by a thick and enormous forest. British officers often came to hunt in the jungle. It rained continuously for eight months there and the only activity during the remaining four months that was to be done was creation of a small clinic there for their convenience. One night the young doctor finished his dinner early and began reading a book in the light of a kerosene lamp. It was raining heavily outside. Suddenly he heard a knock on the door. 'Who could it be'? he wondered. When he opened the door, he saw four men wrapped in woolen rugs with sticks in their hands. They asked the doctor to take his bags and come with them immediately. For the first time since he had come to the village, the doctor felt that he could finally put his medical expertise at good use. His patient was a young girl, approximately 16 years old who was in labor. An old lady was standing near her. On seeing this, the doctor turned pale. He went to the other room and told her family, "look I haven't been trained in delivering a baby and I am a male doctor, you must call someone else". But the family refused to listen and instead insisted, "that's not an option. You must do what needs to be done and we will pay you handsomely". We don't care for the baby. Deliver it alive or dead but the girl must be saved". The doctor pleaded with them, "I'm not interested in the money. Let me go". The men there came close, shoved him into the patient's room and locked the door from outside. Now he had no other option other than to treat the young girl. He asked the girl to lie down and instructed the old lady to boil water and sterilize his instruments. By then, the contraction had passed. The girl was sweating profusely and the doctor even more. She looked at him with big, innocent, teary eyes and slowly murmured "don't save me. I don't want to make it through the night". "Who are you?" the doctor asked. "I am the daughter of a big zamindar here", she said in a soft voice. The rain outside made it hard for him to hear her. "Since there was no high school in our village my parents let me study in a distant town. There I fell in love with one of my classmates. At first I didn't know that I was pregnant but once I found out I told my partner who immediately ran away. By the time my parents learned of what had happened. It was too late to do anything that's why they sent me here to godforsaken place where nobody would find out about this pregnancy", she continued. After a few minutes she said, "Doctor, I am sure that once the baby is born, my family will kill it and beat me violently". She grabbed the doctor's arm as more tears gathered in her eyes. At first the doctor didn't know how to respond then he said to her as gently as he could, "I am a doctor and I cannot let a patient die when I know that I can do something to save him or her. You must not discourage me from doing my duty". The labor was hard, scary and long and finally



the doctor managed to deliver the baby successfully with the assistance of the old lady. "Oh my god! It's a girl? Her life will be just like mine", she cried. The doctor cleaned up his patient, gathered his instruments and packed his bag. The old lady began cleaning the room. He looked at the young girl and said to the newly become mother, "Take the baby and run away from this place if you have courage in your heart to do so. Go to Pune and look for Pune nursing school. Find a clerk there, called Gokhale and tell him that HR has sent you. He will help you get admission in a nursing course. In time you will become a nurse and lead an independent life with the ability to take care of your own needs. Raise your daughter with pride. Don't you dare leave her behind or else she will end up suffering like you. That's my most sincere advice for you". "But doctor, how will I go to Pune? I don't even know where it is!", she said. "Go to the nearest city of this village and then from there you can take a bus to Pune", the doctor advised. The doctor said goodbye to her and came out of the room. An old man handed him ₹100 and said, "Doctor this is your fee for helping the girl with the delivery. I warn you. Don't say a word about what happened here today". The doctor nodded and suddenly was overtaken by a sense of calm. "I am sorry. I think I forgot my scissors in the room. I will need it tomorrow at the Clinic ", he said. He turned around and went back inside and saw the young girl gazing at the sleeping newborn with tears in her eyes. When the old lady's back was turned toward him the doctor handed over the money to the girl. "This is all I have with me right now. Use it and do what I have told you," he whispered. "Doctor, what is your name?" she asked. "My name is doctor HR Mehta but everyone calls me HR. Be brave child goodbye and good luck", the doctor replied. One day he went to a medical conference in another city. There he met a young woman in her 30s. She was presenting her case from her experience of the rural areas. The doctor found her work interesting and went to praise her after the presentation. "Doctor, your work is excellent. I am quite impressed by your work", he said. "Thank you", she replied. Just then someone called out to the doctor, "HR we are waiting for you to grab some lunch. Will you take long?". The young woman asked, "What is your name doctor?". "Doctor HR Mehta or HR", the doctor replied. "Doctor, I live in a village around 40 kilometers away from here. May I request you to come to my home right now for a brief visit?", she insisted. The doctor was unprepared for such an invitation. Why was she calling him to her house? "Maybe some other time doctor" he replied, hoping to end the matter. But the woman was persistent and said, "You must come. Please think of this as a request from someone who has been waiting for you for years now". As the two of them approached her residence, the doctor realized that the house was also a nursing home. He walked in through the front door and saw a lady in her 50s standing in the living room. The young

woman doctor shouted,"Ma, This is Dr. HR. Is he the one you have been waiting for all these years"? The woman happily said,"Doctor, you may not remember me but I can never forget you. Mine must have been your first delivery". Still, the doctor couldn't recognize her. She tells the doctor the complete story of her delivery and reminds him of giving her advice to run and also how he helped her with the money. The doctor recalled the complete event and smiled. The woman said,"I prayed to God to give me a chance to meet you and thank you for showing me the right path at the right time". The doctor felt like he was in a Bollywood movie and was enchanted by the unexplained mystery of life. A few kind words and encouragement had changed a young girl's life. The woman clasped her hands together and said,"We are so grateful to you, doctor. My daughter wanted to call you for the inauguration of this nursing home and we were very disappointed at not being able to reach you then. Time has passed and now the nursing home is doing very well." The doctor wiped his moist eyes and looked around to see the name of the nursing home. He looked to the right and found himself staring at —
H.R. care center.

NEHA SHARMA
191199
B.A. PROGRAMME

If you have built castles in the air, your work need not be lost; that is where they should be.
Now put the foundations under them.

-H. D. Thoreau

Success does not consist in never making mistakes but in never making the same one
a second time.

-George Bernard Shaw

WHO AM I?

I don't know myself
Who am I?
Who am I?

Am I a lover
Because I do feel hate
Am I wise?
Because I did learn from my mistakes

Am I beautiful?
Because I do know my flaws
Am I a winner?
Because I don't feel like I've ever lost

I don't know what I can do
Can I do something or not?
Can I laugh?
Because I have known sadness.

Can I rise?
Because I had a fall.
In this space-bound life

The questions never end
The mind keeps running
On a track with no limits, no lengths
To wrap up the rhyme
I put a pause to my quest
Life is to live and change with time
The questions will never end
And life goes on, so don't try to mend.

---Shreya Ghosh

MIDNIGHT

Midnight is the time when we humans put our masks down, revealing to the air we breathe in Our
unvarnished and honest forms.

It's not just any hour of the day,

It's has got tremendous ardour attached to it

If God were to witness his humankind being most alive, It would be at midnight.

It dares me to question my true purpose in this world.

And tricks me into evaluating my own deeds,

Whether good or bad.

And lets me make further decisions as to what I should do next.

This midnight process is actually a routine that I follow.

Which aids me in becoming a better version of myself the next day

As it works on me like therapy.

As for the people,

Emotions are heightened during this time of the day.

Some grieve for the loss of someone/something

While some reminisce about their best days.

Some keep fighting battles with themselves, while some face their real-life demons.

Then comes the fun part of this time,

That it's midnight when most of the beautiful memories are made

And enthralling adventures take place.

Last but not the least,

What intrigues me most about midnight is that

(What magic does it possess?)

Even after a roller-coaster day

And

heart-wrenching feelings at night manage to put us to sleep

With its tranquillity taking control over us humans.

RISHU SHANDILYA

ROLL NO 211336

KNOWLEDGE AND SKILLS

"Education is at the heart of both personal and community development. It aims to enable each of us, without exception, to develop all our talents to the full and realize our creative potential, including responsibility for our lives and achievement of the personal aim."

Learning to know means learning how to learn by developing one's concentration, memory skills, and thinking ability. Learning to understand aims to build knowledge and skills needed to function in the world.

It is essential that students are both knowledgeable and skilled in study techniques. Their ability to study effectively is enhanced with knowledge and skill, resulting in better grades. Understanding things and performing tasks can make students feel confident and good about themselves. Students gain knowledge through study and skill by applying what they have learned.

A knowledgeable student means well informed about subject matters and studying techniques. A student who has inadequate knowledge does not know what they are talking about and how to succeed—being skilled means having mastered study techniques and the ability to do work effectively.

"Some students specialize in one or two subjects to an extreme. For example, they are often called nerds if it is about science or computers. If it is only about sports, they are called jocks. Therefore, it is good to be mildly knowledgeable about as many subjects as possible."

It is easier to go to school with her, who only knows the subject matter and is skilled in studying techniques.

Lack of knowledge can result in despair and also lead to embarrassment. But on the other hand, an intelligent student may usually get better grades. "A skilled student will usually get better grades and can often overcome the lack of knowledge through his or her studying ability, confidence, and esteem, plus better are some of the knowledgeable and a skilled." A student skilled in his study techniques, Villu taught me how to do homework and prepare for tests.

"The way to gain knowledge in school is to observe, study and read. Good students are known to be voracious readers. Being curious and interested in many things help us student become knowledgeable about them. Applying what we have learned and analyzing our work results are good ways to establish our skills. We need to be healthy in aloud to learn and gain skills."

It is rightly said that knowledge, will, and skill are the pillars of education. It is not possible without knowledge and skills for a student to be educated. Skills necessary for educational outcomes. Higher-order skills such as "4c's-creativity, critical thinking, communication, and collaboration are essential for work performance. Knowledge provides us with choice and saves us from trouble.

DIVYA DIPALI

Roll No:- 211310

B.A Programme

(History+Political Science)

This world is but a canvas to our imagination.

-H. D. Thoreau

To be good is noble, but to teach others to be good is nobler and less trouble.

-Mark Twain

CROSSROADS OF DREAMS

If life is a sea,
Then dreams are originating waves in them.
It's your dream which,
Sometimes if you meet with them, so it's a heightening way
Sometimes if you don't meet with them it's an abatement of way.
It's your dream that has its own augmentation
on accomplishing it and on abandoning it.
Occasionally by never getting pure and defeating us
And every so often by even a pure massacre bet is won at once
It's our dreams that bring us
our imaginary world into reality.

AFREEN FATIMA

I YR. BSC HONS. HOME SCIENCE

SHADES OF DREAMS

Dreams, desires set the world on fire
Sets spark in eyes
It's a hope that lies
Similar to light that scatter in the skies
Let the destiny design it for you
Keep your faith stick around
Creator is greater architecture
Whatever he blesses you is always for better.
While chasing your dreams you will get ups
Or downs.

It can drive you through happiness
Or sadness.
Dreams serve you as Victories
Or as defeats. Despite all of that it's blesses you with millions of experiences
That's molds your mind in a beautiful design.
That's the best kind of life you were survive.

-AFREEN FATIMA
I YR. BSC HONS. HOME SCIENCE

PROSPECT IN TWILIGHT

Destiny derived from your Character,
Character derived from your Habits,
Habits derived from your Actions,
Actions derived from your Words,
Words derived from your thoughts,
Watch Your Thoughts before they become your destiny,
And convert your affinity into difficulty.
We fall, we rise, we make mistake,
We live, we learn, we are human.
We have been hurt, but we are alive.
Think of what a precious privilege it is to be alive,
Instead of what a predicament we all have.
We must keep putting one foot in front
of the other even when we hurt.
We will never know what is waiting for us
just around the corners.

-AFREEN FATIMA
I YR. BSC HONS. HOME SCIENCE

UNDIVULGED TWINGE

And what people leave behind?
When they leave for paradise
For those who have yet to survive
Except the pain of going away
The pain of not coming away
Eyes awaken whole night looking on their way
But still there is no sign of them.
Feeling of passing through a lane
Where no one has passed through ages
All time has stopped there.
With whom should they express what all happened with them.

-AFREEN FATIMA
(I YR. BSC HONS. HOME SCIENCE)

Says a five-year-old boy –

Oh, it's so cold,
Like mountains of ice with thousands of folds,
It gives a current in my head,
Which goes down my neck,
It gives me a feeling of happiness,
And goes in my heart like madness,
I love this feeling,
As it gives my life meaning.

NEHA KUMARI
BCOM 1ST YEAR



COOL MATHS !.....

FUN WITH NUMBERS :

1. Decide on the number of times you would have ice-cream in a week.
(It should be a single digit number)
2. Multiply the number by 2.
3. Add 5.
4. Multiply 50 by it.
5. If your birthday has already passed add the present year. If not, add the previous year.
6. Subtract your year of birth from the result.
7. Subtract 250 from the resulting number.

ANSWER :

In the final 3 digit number thus obtained.

The first digit is the number of times you would like have ice-cream. The next 2 digits represent your age.....

KHUSHI GAUTAM

ROLL NO:- 213057

Be still when you have nothing to say; when genuine passion moves you, say what you've got to say, and say it hot."

-D.H. Lawrence

THE TEENAGERS !!

*A Teenager is one who never
Forgets to visit a shopping mall
And never misses a phone call
One who loves to carry a mobile
To show off his wealth with great style
One who loves to mock others
But can't bear being teased by brothers
One who wonders with buddies,
And can never concentrate on his studies.
A person who receives his allowances on Monday
Spends it all on Tuesday,
And borrows again on Wednesday
A Teenager is an original thinker
And is sure that his parents were never teenagers.....*

KHUSHI GAUTAM

ROLL NO:- 213057

A GIRL'S SMILE!

Girls are sweet, loving, kind
They just want a friend of their kind
They often daydream and make plans
They love playing, children and dance
Dedicated, possessive, and sensitive
They need a sincere companion to live
They often talk a lot, sometimes stay confused
They also hate being excused
Care & kindness for all, a heart so spacious
The best gift of God, their smile is so precious
They only want to be always loved, every time
But are we doing this? No, we are doing many crimes
A simple girl, our sister, mother, daughter, and wife,
But we are snatching their honor, happiness, and life,
We have to stop atrocities to girls' lives
Otherwise, soon, we won't be able to see in this world.
A Girl's Smile.....

KHUSHI GAUTAM

ROLL NO:- 213057



I AM A TIGRESS

I am a tigress,
Born to another lioness,
The latter infuses me with strength,
And the strength that I harness.

Body of a female and not a human,
I am looked upon as inferior,
Confined to cook and stay interior,
Let me grow, please. Can someone hear?

My boundaries are decided by others,
Who ties away my feathers;
I live in loneliness,
Still, I am a tigress.

Hindered every day to achieve my goals,
People are as bad as evil souls,
They are jealous of my progress;
Because I am a tigress.

Worshipped in traditions,
Raped in temples;
Oh! What an irony,
Society teaches me morals.

They are devotees of patriarchy;
And resent feminism,
Brought on earth by a female;
But they forget this favor, oh what a male!

Living in the 21st century,
But the dominants have no mental maturity,
My character is doubted and,
Questions arise about my chastity,

My heart cries,
And is ever sagged in pain,
That my birth, my life, my rights;
Is it all in vain?

Am I not a life and not deserve equality?
Till when will I be checked upon for my quality?
Why make me go mad in such a depressing world?
Why not altogether kill us once and for all?

You know we inferiors are important;
To further life and to advance you,
Take your time and get some education,
God may then have mercy on you.

I am a volcano; I may lay dormant;
But not until you disturb me,
I can blast into an exorbitant rage,
Which you may not dare to confront.

I am equal to you, no more and no less;
Bow to me, or you will be in a mess,
I can be both you and me;
I now may not entirely depend on you,
I am a woman; I can reach my happiness;
For I am strong, and I am a tigress.

-----**GARIMA**

It's never too late to give up our prejudices.

-H. D. Thoreau

PROMISE

The dark veiled a spell.
The fears once buried in light.
Resuscitate at night.
Smiling at your wailing face,
Stand your demons disguised.

The eyes turned so weary,
Why wouldn't the sun cower?

Shining through the darkness,
Stars gleaming from afar.
Closest to the earth,
A ball of dazzle,
Moon with a lambent glow.
Wasn't it promised?
A promise of sun.

The promise keeper shall arrive,
Cherish the dawn whilst alive.
Under the splendid sun,
your eyes shall color in.
The color of hope.
Wasn't it promised?
A promise to you.

ANN MARY P. MANUEL

Prayer

Prayer is talking to God. It is the first door of one's heart to our father in heaven. Life is full of hurdles and trials that can sometimes lead us to question our faith. But, spending a little time in prayer, in remembrance of our creator, will strengthen our will. A moment spent in the silence of prayer determines our souls for the upcoming opportunities in life. Through prayer, one can listen to his inner voice and connect to the Almighty. According to science, prayer has positive psychological, physical, and emotional influences.

Prayer regularly can have an enormous effect on the psyche of an individual by stabilizing their mood, giving them a feeling of well-being, improving how they interact with one another, and positively changing the way they conduct themselves. "A life spent in evil makes you old." People dissatisfied with their actions are often stressed and behave like a ball of fire or full of anger. One can release his anger and stress in the best way by praying to God. A person can come out of all his sins through pure conduct. All evil things get out of a person, and she gets introduced to a new life full of peace. Therefore, prayer is an essential element in our daily life to make it more beautiful. Spice and science are not everything in life after all!

One should understand the importance of prayer and spend at least a few minutes remembering her creator, who created us all, and the universe.

GARMIA
Roll No-191193

To All Mothers

A mother.

She loves and gives. A mother's love never exhausts; always pure.

Purer than the sterilized utensils.

Even when she is not present, she loves the child, even in her bodily absence.

Be it, Lilly Potter, sacrificing her life for little Harry, the love of a mother overpowering the evil, or be it Yashoda, with love for her son, the son that she did not bear.

A mother,

She is brave, she stands kind and fierce, she believes in you, even when you don't know yourself.

A mother wakes up earlier than all, works harder, the hardest of all, and deserves the most love of all.

The ones without a mother's love should not be pitied; rather, the ones not capable of understanding and appreciating it should be pitiful.

She holds you tight, tight in her arms when you cry or when in joy, holds you warmly, and teaches you when you forget to walk, sometimes on the right path.

A mother

She makes sure you are not unloved, ever.

A mother's love is more potent, purer, and empowering than all.

My salute to all the mothers who keep loving, even when unloved!

SPANDEETA CHAKRABORTY

Physics Hons.
Roll no 215003

GO GRAB YOUR FREEDOM GIRLS

There are times when I wonder
Where is my promised freedom.
This feeling struck me like a thunder.
Actually there exists no such freedom.

The freedom to free me of the bounds
The Bounds that make me feel chained
The fears, the tears and the wounds
Because of being a woman, I am detained

Why do I suffer alone the society?
Which wants me to always submit.
It feels like a mirage, or is it really free?
From the perception of power to permit

who are they to force me to the ground?
I will fight back, injured and strained.
The truth is something that I have found.
Freedom is the treasure that I have gained.

To believe is freedom, to dream is freedom
To try is freedom, to achieve is freedom
To proceed is freedom, to succeed is freedom
Faith is freedom, but freedom is not free

ZIKRA ARAM

Bsc Hons Physics
Roll No-215029

विदाई समारोह



FAREWELL



Bhagini Nivedita family mourns the loss of
SMT. RAJBALA



Statement as per Press and Registration Book Act.

Bhagini Nivedita College

Kair (Near Najafgarh) News Delhi-1100043

- | | | |
|-------------------------------|---|---|
| 1. Place of Publication | : | Delhi |
| 2. Periodicity of Publication | : | Yearly |
| 3. Publisher's Name | : | Prof. Raj Bhardwaj |
| Nationality | : | Indian |
| 4. Editor's Name | : | Dr. Ansul Rao |
| 5. Printer's Name | : | Global Media Service |
| Address | : | B-1/673, Harsh Vihar
Delhi-110093
Mob: 9711153860 |

I here by Declare that the particulars given above are true to the best my knowledge and belief.

Date:

Prof. Raj Bhardwaj

Disclaimer:

All articles, poem, essay contained herein are the sole resonsibility of the individual authors. The editors/publishers are not responsible for any infringement of copyright rules or instance of plagiarism, if any.



Bhagini Nivedita College

(University of Delhi)

Kair, (Near Najafgarh) New Delhi-110043

Phone : 28017485 | Fax : 28018326

E-mail : Bnc.kair@gmail.com

Website : bhagininivedita.du.ac.in